MJC – Semester II
B.Com – II Semester
Business Organisation & Managment (1)

Q:— व्यवसायिक इकाई को प्रभावित करने वाले कौन-कौन घटक या तत्व होते है।

Ans — कोई भी व्यवसाय बड़े पैमाने पर या मध्यम पैमाने या छोटे पैमाने पर किया जा सकता है। सभी आकारो की अपनी ताकत और कमजोरिया है। हालांकि यह सच है कि कारोबार का आकार के साथ बहुत कुछ करना है।

व्यवसाय के आकार को प्रभावित करने वाले निम्नलिखित तत्व है —— व्यवसाय के आकार को प्रभावित करने तत्वो को तीन श्रेणियो में विभाजित किया जा सकता है —
(i) व्यक्तिगत कारक
(ii) वाणिज्यिक कारक
(iii) तकनीकी कारक

(i) व्यक्तिगत कारक —— कुछ व्यक्तिगत कारक जिनका व्यवसाय के आकार पर असर पड़ता है —
(1) मालिको या प्रमोटरो की क्षमता कि वे बाजार से कितना धन जुटा सकते है।
(2) प्रबंधक व्यवसायिक उद्यम के एक विशेष आकार को सफलतापूर्वक प्रबंधित कर सकते है।
(3) मालिको की जोखिम लेने की क्षमता अलग-अलग जोखिम के प्रकार और सीमा जो मालिक व्यवसाय संचालन के पैमाने से जुड़े हुए है।

(ii) वाणिज्यिक कारक

व्यवसायिक आकार को निर्धारित करने वाले कुछ वाणिज्यिक कारक निम्नलिखित है —

(i) व्यापार का आकार बाजार (उसकी बिक्री का अनुमान) के आधार पर निर्भर करता है क्योंकि किसी वस्तु का बाजार में कितनी मांग है यदि वस्तु अधिक मांग है तो व्यवसाय बड़ा होता है और मांग न होने पर व्यवसाय सीमित मात्रा में किया जाता है।

(ii) विस्तार की सम्भावना — व्यवसाय का आकार इस बात पर भी निर्भर करता है कि निकट भविष्य में उस वस्तु की कितनी मांग बढ़ने की सम्भावना है जो कि बाद में मांग के अनुसार व्यवसाय का विस्तार किया जा सके।

(iii) तकनीकी कारक — व्यवसाय के आकार को निर्धारित करने के लिए कुछ तकनीकी कारक निम्नलिखित है -

(i) उत्पादक मशीनरी की प्रकृति — फर्म का आकार वहां बड़ा होगा जहां ~~उत्पादक~~ उत्पादक मशीनरी बड़ी होती है जहां जहाज का निर्माण, रेल का निर्माण या हवाई जहाज का निर्माण होता है। और जहां उत्पादक मशीनरी छोटी होती है वहां बाल पेन, चाकू आदि छोटे चीजों का निर्माण होता हो।

(ii) उत्पादन की विविधता — जिस वस्तु की अधिक आवश्यकता होती है उसका उत्पादन बड़े पैमाने पर किया जाता है। और जिस चीज की मांग कम हो या बदलते फैशन के अनुसार बदलते रहते हो उसका उत्पादन छोटे पैमाने पर होता है।

(iii) कच्चे माल की उपलब्धता — व्यवसाय का आकार उत्पादन के लिए आवश्यक वस्तुओं के उपलब्धता पर निर्भर करता है जैसे की कच्चा माल, बिजली, श्रम, [illegible] परिवहन जहां उपलब्ध होते है वहाँ व्यवसाय का आकार बड़ा होता है। और जहां ये बहुत कम होता है या मुश्किल से उपलब्ध होता है वहां छोटे होते है।

(iv) परिवहन की लागत — जहां तैयार उत्पाद परिवहन के लिए महंगा है वहां स्थानीय स्तर पर उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए व्यवसाय छोटे स्तर पर किया जा सकता है।

x ———— x ———— x

Dr. Raj Kumar Prasad
Associate Professer
Deptt of Commerce
Shershah college
SASARAM